

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमति. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 533]

रायपुर, बुधवार, दिनांक 21 अक्टूबर 2020 — आश्विन 29, शक 1942

सहकारिता विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 16 अक्टूबर 2020

अधिसूचना

क्रमांक/एफ 15-35/15-02/2019/1/42.— छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 16-ग की उप-धारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राज्य शासन द्वारा प्रदेश के प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों को पुनर्गठित करने के लिये “जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की पुनर्गठन योजना 2019” विभाग के अधिसूचना क्र./एफ 15-35/15-02/2019/1/2 दिनांक 25-07-2019 जारी की गई थी।

2. पंजीयक सहकारी संस्थाएं, छत्तीसगढ़ के प्रस्ताव दिनांक 27-07-2020 द्वारा जिला रायपुर में विद्यमान 82 सोसाइटियों का पुनर्गठन कर 44 नवीन सोसाइटियों का गठन करना प्रस्तावित किया है, जिसके लिए विभाग द्वारा जिला रायपुर के समितियों के पुनर्गठन हेतु अधिसूचना क्रमांक एफ 15-35/15-02/2019/1/3 दिनांक 31-08-2020 जारी की गई, जिसमें हितवद्ध पक्षकार या किसी व्यक्ति से दिनांक 10-09-2020 तक दावा आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु समयावधि निर्धारित की गई थी।

3. निर्धारित समयावधि में जिला रायपुर की समितियों के पुनर्गठन हेतु 20 दावा/आपत्ति प्राप्त हुई। विभाग के पत्र दिनांक 01-10-2020 द्वारा उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, रायपुर को प्राप्त दावा/आपत्तियों का निराकरण करने हेतु प्रेषित किया गया। उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, रायपुर के प्रतिवेदन दिनांक 08-10-2020 द्वारा 13 दावा/आपत्तियां अमान्य करने तथा 07 दावा/आपत्तियां मान्य करने का अभिमत विभाग को प्रेषित किया गया है एवं सोसाइटियों के पुनर्गठन से संबंधित संशोधित अनुसूचियां प्रेषित की गई हैं।

4. विभाग द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक/एफ 15-35/15-02/2019/1/2 दिनांक 25-07-2019 की कंडिका क्रमांक-5 की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, रायपुर के प्रतिवेदन दिनांक 08-10-2020 एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, छत्तीसगढ़ के प्रतिवेदन दिनांक 09-10-2020 पर विनिश्चय उपरांत, राज्य शासन एतदद्वारा जिला रायपुर में विद्यमान 82 सोसाइटियों का पुनर्गठन कर अनुसूची दो एवं तीन में उल्लेखित 44 नवीन सोसाइटियों का गठन करने एवं अनुसूची एक में उल्लेखित सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में संशोधन करने की कार्यवाही हेतु “जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की पुनर्गठन योजना 2019” एवं अनुसूची एक, दो एवं तीन को अंतिम रूप से अभिप्रामाणित कर प्रकाशित करता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी.एस. सर्पराज, उप-सचिव.

**जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की
पुनर्गठन योजना, 2019**

01. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ तथा विस्तार :-

- (क) यह योजना “जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की पुनर्गठन योजना, 2019” कहलाएगी।
- (ख) यह योजना छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावशील होगी।
- (ग) यह योजना छत्तीसगढ़ राज्य के जिला रायपुर की उन प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों के लिए लागू होगी, जो अनुसूची एक, दो एवं तीन में अधिकथित है।

02. परिमाणाएँ :- इस योजना में जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:-

- (क) “अधिनियम” से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 (क्र. 17 सन् 1961)।
- (ख) “नियम” से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी नियम, 1962।
- (ग) “पुनर्गठन” से अभिप्रेत है, इस योजना में अधिकथित अनुसार किसी विद्यमान सोसाइटी के कार्यक्षेत्र आस्तियों, दायित्वों तथा सदस्यता आदि का किसी अन्य सोसाइटी को भागतः या पूर्णतः अन्तरण अथवा विभाजन द्वारा नवीन सोसाइटी का गठन।
- (घ) “प्रभावित सोसाइटी” से अभिप्रेत है, कोई ऐसी विद्यमान सोसाइटी जिससे किसी अन्य सोसाइटी को कार्यक्षेत्र, आस्तियां, दायित्व तथा सदस्यता आदि अन्तरित की गई हो।
- (ङ) “परिणामी सोसाइटी” से अभिप्रेत है, कोई ऐसी विद्यमान सोसाइटी जिसे किसी प्रभावित सोसाइटी का कार्यक्षेत्र, आस्तियां, दायित्व तथा सदस्यता आदि अन्तरित की गई हो।
- (च) “नवीन सोसाइटी” से अभिप्रेत है, कोई ऐसी सोसाइटी जो विद्यमान नहीं हो परन्तु जिसे इस योजना के परिणामस्वरूप रजिस्ट्रीकृत किया जाए।
- (छ) “बैंक” से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ राज्य की जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, रायपुर।
- (ज) “रजिस्ट्रार” से अभिप्रेत है, सहकारी सोसाइटियों का रजिस्ट्रार अथवा छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 के अधीन नियुक्त रजिस्ट्रार की शक्तियां जिसे प्रयोक्त हो।

03. पुनर्गठन की रीति :-

- (क) किसी विद्यमान सोसाइटी के कार्यक्षेत्र, आस्तियों, दायित्वों, कर्मचारी वृन्द तथा सदस्यता आदि को किसी अन्य एक या अधिक विद्यमान सोसाइटियों को भागतः या पूर्णतः अन्तरित करके, या
- (ख) किसी विद्यमान सोसाइटी या सोसाइटियों को दो या अधिक नवीन सोसाइटियों में विभाजित करके, या
- (ग) किसी विद्यमान सोसाइटी या किन्हीं विद्यमान सोसाइटियों को उक्त (क) एवं (ख) दोनों में उल्लेखित रीतियों से; किया जायेगा।

04. पुनर्गठन :- नियत तिथि से -

- (क) “अनुसूची-एक” के कॉलम (2) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में से कॉलम (3) में अधिकथित कार्यक्षेत्र अपवर्जित हो जाएगा और ऐसा अपवर्जित कार्यक्षेत्र उसी के समक्ष कॉलम (4) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में सम्मिलित हो जाएगा।
- (ख) “अनुसूची-दो” के कॉलम (2) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों का विभाजन कॉलम (3) में अधिकथित नवीन सोसाइटियों में हो जाएगा तथा ऐसी नवीन सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र कॉलम (4) में उनके समक्ष अधिकथित अनुसार होंगे।
- (ग) “अनुसूची-तीन” के कॉलम (2) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में से कॉलम (3) में अधिकथित कार्यक्षेत्र अपवर्जित हो जाएगा और ऐसा अपवर्जित कुछ क्षेत्र उन्हीं के समक्ष कॉलम (4) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में सम्मिलित हो जाएगा तथा कुछ क्षेत्र उन्हीं के समक्ष कॉलम (5) में अधिकथित नवीन सोसाइटियों का कार्यक्षेत्र हो जाएगा।

05. सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व :-

- (क) प्रभावित सोसाइटियों के अपवर्जित कार्यक्षेत्र से संबंधित सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व उन परिणामी सोसाइटियों को अन्तरित हो जाएंगे जिन्हें ऐसे अपवर्जित कार्यक्षेत्र अन्तरित हुए हों।

(ख) प्रभावित सोसाइटियों के ऐसे अपवर्जित कार्यक्षेत्र जिनसे नवीन सोसाइटियों का गठन हो रहा हो, से सम्बंधित सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व नवीन सोसाइटियों की सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व होंगे।

(ग) आस्तियों तथा दायित्वों का विभाजन करने के लिए सामान्यतया 30 जून, 2019 की स्थिति में सदस्यों पर अवशेष ऋण को आधार माना जाएगा।

06. रजिस्ट्रेशन / निरसन :-

(क) इस योजना के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप जिन नवीन सोसाइटियों का गठन होना आशायित होगा उनके रजिस्ट्रीकरण के आदेश, प्रमाण पत्र तथा उपविधियां रजिस्ट्रार के द्वारा या उसके अधीनस्थ ऐसे संयुक्त/उप/सहायक रजिस्ट्रार के द्वारा तैयार किये एवं जारी किये जाएंगे, जो अधिनियम की धारा 9 के अधीन रजिस्ट्रीकरण करने के लिए सशक्त होंगा।

(ख) जहाँ आवश्यक हो वहाँ ऐसी प्रभावित सोसाइटियों, जिनके अस्तित्व को बनाये रखना आवश्यक नहीं होगा, के रजिस्ट्रीकरण को सक्षम अधिकारी द्वारा संबंधित विधि अनुसार रद्द किया जावेगा।

07. कर्मचारीवृन्द :-

(क) नवीन सोसाइटियों में प्रबन्धक की नियुक्ति नियमों के अनुसार की जाएगी।

(ख) प्रभावित सोसाइटियों के कर्मचारीवृन्द अन्तरित कार्यक्षेत्र के अनुरूप परिणामी सोसाइटियों के कर्मचारी हो जाएंगे।

08. अधिकार, हित और कर्तव्य आदि :-

(क) परिणामी सोसाइटियों को अन्तरित कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित समस्त अधिकार, हित, कर्तव्य बाध्यताएँ आदि उनमें ही निहित होंगी।

(ख) नवीन सोसाइटियों में उनके कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित समस्त अधिकार, हित कर्तव्य, बाध्यताएँ आदि निहित होंगी।

09. विवाद :- इस योजना से प्रभावित सदस्यता, आस्तियों, दायित्वों एवं कर्मचारीवृन्द विषयक कोई भी विवाद अधिनियम की धारा 64 के अधीन संयुक्त पंजीयक/पंजीयक द्वारा निराकृत किया जाएगा।

10. आदेश जारी करने की शक्तियां :- इस योजना के क्रियान्वयन में आने वाले कठिनाइयों, समस्याओं, विवादों आदि को दूर करने तथा योजना के क्रियान्वयन को सुकर बनाने के लिए राज्य सरकार तथा रजिस्ट्रार ऐसे अनुषांगिक और परिणामिक आदेश कर सकेंगे जैसा कि परिस्थितियों द्वारा अपेक्षित हो, यह और भी कि रजिस्ट्रार समय-समय पर ऐसा निर्देश/मार्गदर्शन भी जारी कर सकेगा, जैसा कि वह आवश्यक समझे।

संलग्न :- अनुसूची – एक, दो एवं तीन

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी.एस. सर्पराज, उप-सचिव.

जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की
पुनर्गठन योजना, 2019

अनुसूची – एक

क्र.	विद्यमान सोसायटी जो प्रभावित है (प्रभावित सोसायटी)	अपवर्जित कार्यक्षेत्र (ग्रामों का नाम)	विद्यमान सोसायटी जिसमें अपवर्जित क्षेत्र जुड़ा है (परिणामी सोसायटी)
1	प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या, सरोरा	जोता	टण्डवा
2	प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या, सांकरा	सड्हू	मोहदा
3	प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या, पचेडा (आरंग)	खपरी	नरदहा

अनुसूची – दो

क्र.	विद्यमान सोसायटी जो प्रभावित है (प्रभावित सोसायटी)	नवीन सोसायटी	नवीन सोसायटी का कार्यक्षेत्र (ग्रामों का नाम)
1	चांपाझर	टीला	टीला, सेमरा, भोथीडीह
2	पॉड	सुन्दरकेरा	सुन्दरकेरा, मदलोर, परसदा, सोंठ, घोंठ
3	तामासिवनी	तोरला	तोरला, भुरका, घोरभट्ठी
4	मानिकचौरी	जामगांव	जामगांव, जर्वईबांधा, खोला, उमरपोटी, आलेखुटा,
		पिपरौद	पिपरौद, डोंगीतराई, सोनेसिल्ली
5	नवापारा	पटेवा	पटेवा, दुलना, चिपरीडीह, कुर्रा
6	मोहदा	खैरखुंट	खैरखुंट, सगुनी, बलोदी, सुंगेरा
7	देवरी (तिल्दा)	भिंभौरी	भिंभौरी, खुडमुडी, रजिया, केंवतरा, बहेराडीह
8	बेल्दारसिवनी	बुडेरा	बुडेरा, घिवरा, केवराडीह
9	खरोरा	मांठ	मांठ, मुडपार, तिल्दाडीह
10	गनियारी	असौंदा	असौंदा, बिठिया, तुलसी
		अडसेना	अडसेना, मोहदी
11	मठी	बरतोरी	बरतोरी, कोदवा
12	खौना	रायखेड़ा	रायखेड़ा, सोनतरा, गैतरा
13	पचरी	छडिया	छडिया, नहरडीह, मधईपुर, मोतिमपुरखुर्द
14	देवरी(धरसीवा)	पंडरभट्ठा	पंडरभट्ठा, भैसमुडा, भेरवा, मुर्ग
15	धरसीवा	मोहदी	मोहदी, गोढ़ी, टांडा, अकोली
		कुंरा	कुंरा
16	सिलयारी	नगरगांव	नगरगांव, टोर, गिधौरी, बरबंदा, नेउरडीह, मांढर
17	भानसोज	फरफौद	फरफौद, छतौना, अकोलीखुर्द, बोहारडीह, परसाडीह, खपरी
18	मोखला	लखौली	लखौली, बोरिद, देवदा, सोनपैरी
19	भिलाई	गोईन्दा	गोईन्दा, छटेरा, बनचरौदा, लिंगाडीह, अकोलीखुर्द, अकोलीकला
20	देवरी(आरंग)	बाना	बाना, बनरसी, गुमा
		गुल्लु	गुल्लु, अमेठी, गुदगुदा, अकोलीकला
		चपरीद	चपरीद, कुसमुंद, रानीसागर, समोदा
21	आरंग	पंधी	पंधी, निसदा
22	रींवा	जरौद	जरौद, बोडरा, कलई
		खमतराई	खमतराई, भोथली, बैहार, धुमराभाठा
23	खुटेरी(उमरिया)	टेकारी	टेकारी, कुण्डा, खम्हरिया
		गोढ़ी	गोढ़ी, कुटेसर, तोडगांव, पीपरहट्टा, सिवनी
	मंदिरहसौद		बकतरा

24	भैंसा	खोरसी	खोरसी, अछोली, लांजा, परसवानी, भटिया
25	कोसरंगी	देवरतिल्दा	देवरतिल्दा, परसवानी, घोरमट्ठी
26	संकरी	कोरासी	कोरासी, पिरदा
		अमसेना	अमसेना, कोडापार, घोरमट्ठी, परसवानी
27	नगपुरा	मुनरेठी	जुगेशर, मुनरेठी, मुनगी, बाहनाकाड़ी
28	अमोदी	सेमरिया	सेमरिया, परसदा, कागदेही
29	चिखली		करमंदी, हरदीडीह
30	गौरभाठ	भलेरा	खपरी, गिधवा, भलेरा
31	अभनपुर	चण्डी	आमनेर, चण्डी, मोहंदी, भाठापारा,
		सकरी	सकरी, कोपेडीह, बेलर

अनुसूची – तीन

क्र.	विद्यमान सोसायटी जो प्रभावित है (प्रभावित क्षेत्र)	अपवर्जित कार्यक्षेत्र (ग्रामों का नाम)	विद्यमान सोसायटी जिसमें अपवर्जित क्षेत्र जुड़ा है (परिणामी सोसायटी)	नवीन सोसायटी जिसमें अपवर्जित क्षेत्र जुड़ा है
1	प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या, खोरपा	परसुलीडीह	ढोढ़रा	—
		सारखी कोलर	—	सारखी
2	प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या, कठिया	चैरिया, तेदुवा, बंजारी, कुरु	—	बंजारी
		पौता	—	—
3	प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या, पचेडा (अभनपुर)	नवागांव खपरी	बरौदा	—
		कुहरा	पलौद	—
		तॉडुल	—	—
		गनौद, धमनी, कोसमखुटा, बिरविरा, नरियरा	—	गनौद
4	प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या, पलौद	खण्डवा	पचेडा	—
		बेन्द्री, परसट्ठी, निमोरा, तूता	—	बेन्द्री
5	प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या, केन्द्री	कन्हेरा	टेकारी	—
		परसदा, आमदी,	—	परसदा
6	प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या, रवेली	खट्टी	—	—
		—	—	—
7	प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या, ढोढ़रा	—	—	—